पाठ 13 हवा की दुनिया

श्रुतलेखन शब्द (12)

किरणें रेलगाड़ी दुनिया अनोखी

आँधी गुब्बारे तराजू शक्तिशाली

गिलास प्रत्यक्ष मात्रा वज़न

3. छात्र स्वयं करें।

CH- 13

2. **बताइए**

क. राजू ने जब आँखें खोलीं तो क्या देखा?

उ. राजू ने जब आँखें खोलीं तो अपने पापा और बहन शालू को अपने पलंग के पास खड़े पाया।

ख. मामा जी ने पिछली बार बच्चों का परिचय किससे करवाया था?

उ. मामा जी ने पिछली बार बच्चों का परिचय परछाइयों की दुनिया से करवाया था।

ग. हवा किन-किन रूपों में हमारे सामने आती है?

उ. हवा का कोई रूप नहीं होता, इसकी कोई गंध नहीं होती, यह कभी मंद-मंद बहती है और कभी तेज़ आँधी बनकर चलती है।

घ. मामा जी ने हवा को 'अजूबों की पोटली' क्यों कहा होगा?

उ. हवा हमें दिखाई नहीं देती। इसकी शक्ति का अनुमान नहीं लगाया जा सकता, परंतु यह अनेक आश्चर्यजनक कार्य करती है और हर समय अपनी उपस्थिति का अहसास कराती है। इसी कारण मामा जी ने हवा को 'अजूबों की पोटली' कहा होगा।

लिखिए

1. **सही उत्तर पर ✓ का निशान लगाइए—**

   क. राजू किसे लेने स्टेशन गया? ✓ मामा जी को

   ख. खाने में सबसे स्वादिष्ट क्या था? ✓ बादाम की खीर

2. **किसने, किससे कहा?**

कथन	किसने कहा	किससे कहा
क. "हमारे साथ स्टेशन चलोगे?"	पापा ने	राज से
ख. "इस बार मैं तुम्हें हवा की अनोखी दुनिया में ले चलूँगा।"	मामा जी ने	राजू और शालू से
ग. "हम हवा की अनोखी दुनिया में कब चलेंगे?"	शालू ने	मामा जी से
घ. "यह तो जादू का खेल है।"	राजू और शालू ने	मामा जी से

3. **गद्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए—**

   मामा जी ने एक .... जादू लग रहा था।

   क. मामा जी ने कैसा गिलास उठाया?

   उ. मामा जी ने ऐसा गिलास उठाया जिसके किनारे चिकने थे।

   ख. मामा जी के हाथ हटाने पर क्या हुआ?

   उ. मामा जी के हाथ हटाने पर गत्ता गिलास से चिपका रहा और पानी गिलास में भरा रहा।

   ग. बच्चों को क्या जादू का खेल लग रहा था?

   उ. गिलास को उलटा करने के बाद भी एक भी बूँद नीचे नहीं गिरना बच्चों को जादू का खेल लग रहा था।

   घ. लिंग बताइए—मामा, गिलास, हथेली, बूँद।

   उ. पुल्लिंग—मामा, गिलास; स्त्रीलिंग—हथेली, बूँद।

4. **कुछ शब्दों में उत्तर लिखिए—**

   क. बच्चों ने किस काम में मम्मी की मदद की?

   उ. बच्चों ने मेज़ साफ़ करने में मम्मी की मदद की।

   ख. हमारे चारों तरफ़ क्या है?

   उ. हमारे चारों तरफ़ हवा है।

   ग. कब तराजू का पलड़ा बराबर रहता है?

   उ. तराजू के दोनों पलड़ों में कुछ न रखो तो बराबर रहते हैं या दोनों पलड़ों पर समान वज़न की वस्तु रखो।

   घ. मामा जी ने खाली वस्तु के बारे में क्या बताया?

   उ. मामा जी ने बताया कि खाली वस्तु का अर्थ यह है कि उसमें हवा के अलावा कुछ भी नहीं है।

N·B

5. **कुछ वाक्यों में उत्तर लिखिए—**

क. 'हवा की अपनी कोई गंध नहीं होती'—इस बात का पता राजू को कैसे चला?

उ. जब राजू एक बाग से गुज़रा तो उसे चमेली की खुशबू आई और जब कूड़े के ढेर के पास से गुज़रा तो गंदी बदबू आई। इस प्रकार उसे पता चला कि हवा की अपनी कोई गंध नहीं होती, बल्कि इसमें कोई भी गंध बाहर से आकर शामिल हो जाती है।

ख. 'हवा में भार होता है'—इस बात को मामा जी ने कैसे प्रमाणित किया?

उ. मामा जी ने दो गिलासों के ऊपर एक पेंसिल रखकर पुल-सा बनाया। एक छड़ के दोनों ओर एक-एक गुब्बारा चिपकाया और उसे पेंसिल के ऊपर रख दिया। जिस गुब्बारे में अधिक हवा थी वह नीचे झुक गया। इस प्रकार मामा जी ने प्रमाणित किया कि हवा में भार होता है।

ग. राजू और शालू को कौन-सा प्रयोग 'जादू का खेल' लगा?

उ. मामा जी ने एक गिलास में पानी भरा, उसके किनारे गीले किए, गिलास के ऊपर एक गत्ता रखा, हथेली से पकड़कर गिलास को उलटा किया, पर पानी की एक भी बूँद नीचे नहीं गिरी बच्चों को यह प्रयोग 'जादू का खेल' लगा।

घ. मामा जी ने बच्चों को हवा कैसे दिखाई?

उ. मामा जी ने एक खाली बोतल को पानी से भरी बालटी में डुबाया तो उसके मुँह से हवा के बुलबुले निकलने लगे। इस प्रकार उन्होंने बच्चों को हवा दिखाई जो बुलबुलों के रूप में बोतल से निकल रही थी।

समझिए व्याकरण संबोध

T·B

1. **कि/की/में/मैं लिखकर वाक्य पूरे कीजिए—**

क. मामा जी ने कहा ···कि··· ये हवा के बुलबुले हैं।

ख. ···मैं··· बिस्तर से कूद पड़ा।

ग. उन्होंने टेप ···की··· सहायता से गुब्बारे लटकाए।

घ. हवा ···में··· भार होता है।

2. **निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त संयुक्त वर्ण/द्वित्व वर्ण पहचानिए और इनसे नए शब्द बनाइए—**

शब्द		नए शब्द	शब्द		नए शब्द
जम्हाई	—	···तुम्हारा···	मम्मी	—	···चम्मच···
इकट्ठे	—	···लट्ठ···	बच्चे	—	···सच्चा···
शक्तिशाली	—	···भक्ति···	गुब्बारे	—	···धब्बा···

3. **इस पाठांश में से संज्ञा और सर्वनाम शब्द चुनकर लिखिए—**

हम जल्दी ही स्टेशन पहुँच गए। रेलगाड़ी सरकते हुए आई और घरघराते हुए रुक गई। हरि मामा नीचे उतरे और उनकी आँखें हमें ढूँढ़ने लगीं। मैंने उन्हें देख लिया और दौड़कर उनके पास पहुँचा। शालू और पापा भी उनके पास पहुँच गए। मामा जी ने हमें गले लगा लिया।

संज्ञा — ···स्टेशन, रेलगाड़ी, हरि मामा, आँखें, शालू, पापा, गले···

सर्वनाम — ···हम, हमें, मैंने, उन्हें, उनके···

4. **इन वाक्यों में क्रियाविशेषण शब्द पर गोला लगाइए—**

क. रेलगाड़ी (सरकते हुए) आई और (घरघराते हुए) रुक गई।

ख. हरि मामा (नीचे) उतरे।

ग. मामा जी ने (झुककर) पापा के पैर छुए।

घ. मामा जी (आश्चर्यचकित होते हुए) बोले।

5. **हवा से संबंधित मुहावरे बनाकर उनके अर्थ लिखिए—**

हो जाना — ...हवा हो जाना... — ...गायब हो जाना...

लगना — ...हवा लगना... — ...दिमाग फिरना...

में उड़ना — ...हवा में उड़ना... — ...बहुत इतराना...

में उड़ाना — ...हवा में उड़ाना... — ...परवाह न करना...

निकलना — ...हवा निकलना... — ...असफल हो जाना...